an>

Title: Need to ensure the availability and quality of diagnostic kits for Dengue disease in Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान डेंगू जैसे वॉयरस की तरफ दिलाना चाहता हूं। मध्य प्रदेश के तीस जिले उससे प्रभावित हैं। जो मौते हुई हैं, वह 16 के आसपास हैं। उनमें पांच मेरे लोक सभा क्षेत्र के, दमोह लोक सभा क्षेत्र के सागर के देवरी विधानसभा में हुई हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ तीन बातें बड़ी जिम्मेदारी के साथ कहनी हैं। सरकार को इस बात पर चिन्ता करनी पड़ेगी कि जो डेंगू की किट है, उसकी प्रमाणिकता पहली बार साबित हुई है कि जिन सरकारी किटों के आधार पर डेंगू को डिटेक्ट नहीं किया जा सका, उन्हीं लोगों की मौतें हुई हैं। इसलिए मुझे लगता है कि सरकार को इस बात पर जरूर चिन्ता करनी चाहिए, क्योंकि राज्य के स्तर पर एक जो एंटी वॉयरस केन्द्र होता है, वह भी वहां पर सफल नहीं रहा है। इसलिए कोई एक गरीब आदमी या कोई छोटा-मोटा किसान एक बार जब गया, उसकी प्लेटलेट्स कम होती हैं, उसका 40 हजार, 60 हजार से ज्यादा का खर्च आया और उसके बाद वे नहीं रहे। मुझे लगता है कि ये बड़ी भयानक परिस्थिति है। इसलिए हम सब को सामूहिक रूप से इस बात की चिन्ता करनी पड़ेगी कि क्या वास्तव में देश के स्वास्थ्य विभाग के पास अभी भी डेंगू की उतनी प्रमाणिक और पर्याप्त किट मौजूद नहीं है? यह परिस्थिति हम स्वीकार न करें, लेकिन मध्य प्रदेश की सरकार ने स्वीकार किया है। उसमें अगर खाली मेरे ही क्षेत्र से पांच लोगों की मौत होती है तो मैं सरकार से चाहूंगा कि इस बारे में जरूर चिन्ता करें। जैसे अभी हमारे केरल के मित्र ने कहा है, हमें इन बातों की चिन्ता करनी पड़ेगी कि क्या वह प्रमाणिक किट अगर हम बाहर से मंगाते हैं तो उनकी गुणवत्ता ठीक है या नहीं। अगर हम यहां पर इज़ात करने के बावजूद भी उस पर पूरी तरह से कारगर नहीं हुए हैं तो उसके बारे में भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।